

कविता का सारांश

बच्चे एक दूसरे को खेल के लिए बुलाते हुए कह रहे हैं कि आओं हम माटी-माटी का खेल खेलते हैं अर्थात वह मिट्टी के साथ खेलना चाहते हैं। वह पानी-पानी वाला खेल भी खेलने को उत्सुक हैं। बच्चे किसान बनकर किसान की तरह ही खेती करना चाहते हैं। कहने का भाव यह है कि वे खेती वाला खेल खेलना चाहते हैं। किसान की तरह ही मिट्टी को खोदकर साफ करके उसमें बीज बोना चाहते हैं। बीज बोकर उसमें पानी देना चाहते हैं। छुप्पम-छुप्पी, झूलम-झूली, पकड़म-पकड़ी और कूदम-कूदी जैसे खेल खेलना चाहते हैं।

शब्दार्थ:

- माटी- मिट्टी, रेत
- धरती- पृथ्वी, धरा
- खेल - क्रीडा
- छुप्पम-छुप्पी - छुपम-छुपाई
- झूलम-झूली - झुला झुलना
- कूदम-कूदी - कूदना

3. नीचे दिए गए शब्दों को पढ़िए। अब इनमें 'उ' या 'ऊ' की मात्रा लगाकर नए शब्द बनाइए और लिखिए -



फल - _____

उत्तर:- फूल



पल - _____

पुल



परी - _____

पूरी



सराही - _____

सुराही

पढ़िए और मिलाइए



• चढ़ें पेड़ पर पकड़म-पकड़ी

• आओ झूलम-झूली खेलें

• छुपन-छुपाई खेलें

• धरती में बीजों को बोएँ